प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

29 नवंबर 2024

वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्य-निष्पादन

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के कार्य-निष्पादन से संबंधित आंकड़े जारी किए, जो 2,911 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के संक्षिप्त तिमाही वित्तीय परिणामों से लिए गए हैं। इनमें अनुक्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) और वार्षिक (वर्ष-दर-वर्ष) परिवर्तनों के अध्ययन को सक्षम बनाने के लिए 2023-24 की दूसरी तिमाही और 2024-25 की पहली तिमाही के तुलनीय आंकड़े भी शामिल हैं (https://data.rbi.org.in/DBIE/#/dbie/reports/Statistics/Corporate%20Sector/Listed%20Non-Government%20Non-Financial%20Companies)।

मुख्य बातें

बिक्री

- 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान कुल बिक्री संवृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 5.4 प्रतिशत (पिछली तिमाही में 6.9 प्रतिशत) रह गई, जबकि अन्य आय में 23.8 प्रतिशत (पिछली तिमाही में 12.7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई (तालिका 1ए)।

- विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और आईटी से इतर सेवा क्षेत्रों ने अपनी बिक्री में क्रमशः 3.3 प्रतिशत, 6.6 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत की संवृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की; पेट्रोलियम, लोहा और इस्पात, तथा सीमेंट उद्योगों में बिक्री में संकुचन (वर्ष-दर-वर्ष) के कारण विनिर्माण क्षेत्र की बिक्री की संवृद्धि में कमी आई (सारणी 2ए और 5ए)।

व्यय

- विक्रय की संवृद्धि में कमी के अनुरूप विनिर्माण के व्यय में संवृद्धि धीमी हो गई; 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान विनिर्माण कंपनियों के लिए स्टाफ व्यय और कच्चे माल की लागत में 9.3 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) (पिछली तिमाही में क्रमशः 10.7 प्रतिशत और 6.4 प्रतिशत) की वृद्धि हुई (तालिका 2ए)।
- 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान विनिर्माण बिक्री की तुलना में स्टाफ व्यय और कच्चे माल की लागत का अनुपात क्रमशः 55.1 प्रतिशत और 5.8 प्रतिशत रहा (तालिका 2बी)।
- सेवा क्षेत्र में, हालिया तिमाही के दौरान आईटी और आईटी से इतर कंपनियों के लिए बिक्री की तुलना में स्टाफ संबंधी लागत का अनुपात मामूली रूप से घटकर क्रमशः 48.4 प्रतिशत और 10.9 प्रतिशत रह गया (तालिका 2बी)।

कीमत निर्धारण क्षमता

- 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान समग्र स्तर पर परिचालन लाभ में 3.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जबकि विनिर्माण क्षेत्र के लिए इसमें (-) 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई; हालांकि, अन्य आय में वृद्धि के कारण समग्र स्तर पर और विनिर्माण क्षेत्र के लिए क्रमशः 23.7 प्रतिशत और 24.2 प्रतिशत की उच्च निवल लाभ वृद्धि हुई (तालिका 1ए और 2ए)।

- हालिया तिमाही के दौरान विनिर्माण और आईटी से इतर सेवा कंपनियों के लिए परिचालन लाभ मार्जिन क्रमिक आधार पर क्रमशः 14.0 प्रतिशत और 20.4 प्रतिशत तक कम हो गया, जबकि आईटी कंपनियों के लिए यह बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गया (तालिका 2बी)।

ब्याज व्यय

- हालिया तिमाही के दौरान विनिर्माण और आईटी से इतर सेवा कंपनियों का ब्याज कवरेज अनुपात (आईसीआर)[1] क्रमशः 7.9 और 1.7 पर मोटे तौर पर स्थिर रहा; आईटी कंपनियों के लिए आईसीआर और बढ़कर 45.6 हो गया (तालिका 2बी)।

तालिकाओं की सूची

तालिका सं.		**शीर्षक**	
1	ए	सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
2	ए	सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन – क्षेत्र-वार	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
3	ए	चुकता पूंजी के आकार के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
4	ए	बिक्री के आकार के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
5	ए	उद्योग के अनुसार सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन	संवृद्धि दर
	बी		चयनित अनुपात
व्याख्यात्मक टिप्पणियां			
शब्दावली			

नोट:

- विभिन्न तिमाहियों में कंपनियों का कवरेज, परिणामों की घोषणा की तारीख के आधार पर भिन्न होता है; तथापि, इससे समग्र स्थिति में महत्वपूर्ण परिवर्तन की आशा नहीं है।
- संकलन पद्धति, और शब्दावली (पिछली रिलीज़ से भिन्न संशोधित परिभाषाओं और गणनाओं सहित) का विवरण देने वाले व्याख्यात्मक नोट संलग्न हैं।

(पुनीत पंचोली)
मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2024-2025/1614

[1] आईसीआर (अर्थात, ब्याज और कर से पहले की आय और ब्याज व्यय का अनुपात) किसी कंपनी की ऋण चुकाने की क्षमता का एक माप है। व्यवहार्य आईसीआर के लिए न्यूनतम मान 1 है।